प्रातःक्लास ओमशांति 12–8–67

रिकार्ड–कौन आया.....ओमशांति। मीठे2 बच्चों ने गीत सुना। कौन आया है और कौन पढ़ाता है। यह अकल की बात है। कोई बहुत अकलमंद होते हैं,कोई कम अकलमंदर होते हैं। जो बहुत पढ़ा–लिखा हुआ होता है वह बहुत अकलमंद होंगे। शास्त्र आदि भी जो बहुत पढ़े हुए होते हैं उनका मान जास्ती होता है। कम पढ़े हुए को कम मान मिलता है। अब अक्षर सुना और आया पढ़ाने। टीचर आते हैं ना स्कूल में। पढ़ने वाले जानते हैं टीचर आया। यहां कौन आया है एकदम रोमांच खड़ी हो जानी चाहिए। उंच ते उंच बाप। बाप फिर पढ़ाने आये हैं। समझने की बात है ना। तकदीर की भी बात है। पढ़ाने वाला कौन है?भगवान। वह आकर पढ़ाते हैं। विवेक कहते हैं भल कितनी भी बड़ी ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो फट से वह पढ़ाई छोड़कर आय भगवान से पढ़े। एक सेकेंड में सब कुछ छोड़ बाप से पढ़ने आ जाये। नर्कवासी तो सब हैं। बाप ने समझाया है अभी तुम पुरुषोत्तम संगमयुगी बने हो। उत्तम ते उत्तम पुरुष हैं लक्ष्मी नारायण। दुनियां में यह किसको भी पता नहीं है कि एजुकेशन से इन्हों ने यह पद पाया है। तुम पढ़ते हो यह पद पाने लिए। कौन पढ़ाते हैं?भगवान। तो और सब पढ़ाइयां छोड़ इस पढ़ाई में लग जाना चाहिए ;क्योंकि यह बाप आते ही हैं कल्प के बाद। बाप कहते हैं मैं हर 5000वर्ष बाद आता हूं सम्मुख पढ़ाने। वंडर है ना। कहते भी हैं भगवान हमको पढ़ाते हैं यह पद प्राप्त कराने। फिर भी पढ़ते नहीं तो बाप कहेंगे ना यह सयाना नहीं है। बाप के (की) पढ़ाई (पर) भी पूरा ध्यान नहीं देते हैं। बाप को भूल जाते हैं। यह है माया के तूफान ;परंतु पढ़ाई तो पढ़ना चाहिए ना। विवेक कहते हैं भगवान पढ़ाते हैं तो उस पढ़ाई में एकदम लग जाना चाहिए। छोटे बच्चों का (को) ही पढ़ना होता है। आत्मा तो सबकी है। बाकी शरीर छोटा अथवा बड़ा होता है। आत्मा कहती है मैं आपका छोटा (बच्चा) बना हूं। अच्छा मेरे बने हो तो पढ़ो। दूध पियाक तो नहीं हो। पढ़ाई फर्स्ट। उसमें बहुत अटेंशन देना है। स्टुडेंट आते हैं यहां सुप्रीम टीचर पास। वह पढ़ाने वाले भी मुकर्रर हैं फिर भी सुप्रीम टीचर तो है ना। 7रोज भट्ठी भी गाई हुई है। बाप कहते हैं पवित्र रहे और मुझे याद किया ,दैवी गुण धारण किया तो तुम यह बन जावेंगे। बेहद के बाप को याद करना पड़े ना। छोटे बच्चे को मां–बाप के सिवाय दूसरा कोई लेता है तो उनके पास जाते ही नहीं हैं। तुम भी बेहद के बाप के बने हो। तो और कोई देखने पसंद भी नही आवेगा। फिर भल कोई भी हो। तुम जानते हो हम उंच ते उंच बाप के हैं। वह हमको डबल सिरताज राजाओं का राजा बनाते हैं। लाइट का ताज मनमनाभव और रत्नजड़ित ताज मध्याजी भव। उनके कॉलेजों को तो एकदम थू खटा कर देना चाहिए। निश्चय हुआ बाप पढ़ाते हैं तो वह कालेज पढ़ना एकदम भूल जाना चाहिए। निश्चय हो जाता है हम इस पढ़ाई से विश्व के मालिक बनते हैं। 5000वर्ष बाद हिस्ट्री रिपीट होती है। तुमको राजाई मिलती है। बाकी सब आत्माएं शांतिधाम अपने घर चले जावेंगे। अभी तुम बच्चों को मालूम हुआ है असल में हम आत्माएं अपने बाप के घर में रहती हैं। यह भी तुम ही जानते हो। दुनियां के मनुष्य तो बिल्कुल जंगली जनावर हैं। भल साधु–संत आदि हैं उनको भी गुरू नहीं कहेंगे। सर्व का सदगति दाता एक है। शंकराचार्य गुरू के कितने फालोवर्स हैं। कितना भभका है और तुम क्या कहते हो?यह तो पुजारी है। बाप को ही नहीं जानते। यह तो आरफन्स हैं। तुम भी आरफन थे। बाप का बनने से अभी हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं। फिर बाप को भूल आरफन बन पड़ते हैं। भारत इस समय आरफन है। आरफन उनको कहा जाता है जिनका (जिनके) मां–बाप नहीं होते हैं। धक्का खाते रहते हैं। तुमको तो अब बाप मिला है। खुशी में गद2 होना चाहिए। हम बेहद के बाप के बच्चे हैं। फिर परमपिता परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा नई सृष्टि ब्राह्मणों की रचते हैं। यह तो बहुत सहज समझने की बाते है। तुम्हारे चित्र भी हैं। विराट रूप का चित्र भी बनाया है ना। 84जन्मों के लिए ही दिखाया है। हम सो देवता फिर क्षत्रिय ,वैश्य ,शूद्र बनते हैं। यह कोई भी मनुष्य जानते नहीं हैं ;क्योंकि ब्राह्मण और ब्राह्मणियों को पढ़ाने वाले बाप का दोनों का नाम–निशान गुम कर दिया है।

अंग्रेजी में भी तुम लोग अच्छी रीति समझाय सकते हो। जो अंग्रेजी जानते हैं तो ट्रांसलेट कर फिर समझाना चाहिए। फादर नालेजफुल है। उनको ही यह नालेज है कि सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है। वह पढ़ाते हैं। योग को भी बाप की याद कहे (कही) जाती है। जिसको अंग्रेजी कम्युनीन कहा जाता है। बाप से कम्युनीन। टीचर से कम्युनीन,गुरू से कम्युनीन। यह है गॉड फादर से कम्युनीन। खुद बाप कहते हैं मुझे याद करो। और कोई भी देहधारी को याद न करो। मनुष्य गुरू आदि करते हैं,शास्त्र पढ़ते हैं। एम ऑब्जेक्ट कुछ भी नहीं। सदगति तो होती है नहीं। बाप तो कहते हैं हम आये हैं सबको वापस ले जाने। अभी तुमको बाप के साथ बुद्धि का योग रखना है। तो तुम वहां जाय पहुंचेंगे। अच्छी रीत याद करने से विश्व का मालिक बनेंगे। यह लक्ष्मी नारायण पैराडाइज के मालिक थे ना। इनको गॉड–गॉडेज कहते हैं। सीढ़ी में भी इन्हों का चित्र है। तो मनुष्य वंडर खावेंगे। यह कौन समझाने वाला है। बाप को कहा जाता है नालेजफुल। मनुष्य फिर कह देते हैं अन्तर्यामी। वास्तव में अन्तर्यामी का अक्षर है नहीं। अंदर रहने वाला तो आत्मा है। आत्मा जो काम करती है वह तो सब जानते हैं। सभी मनुष्य अन्तर्यामी हैं। आत्मा जानती है मैं पढ़ती हूं, मैं यह करती हूं, मैं यह पार्ट बजाता हूं। यूं तो हरेक आत्मा अंतर्यामी है। आत्मा ही सीखती है। बाप ही तुम बच्चों को आत्माभिमानी बनाते हैं। तुम आत्मा मूलवतन के रहने वाले हो। तुम आत्मा कितनी छोटी हो। तुम्हारे में अविनाशी पार्ट भरा हुआ है। अनेक बार तुम आये हो पार्ट बजाने। यह बैठ समझाते हैं आत्मा क्या है,परमात्मा क्या है यह कोई भी नहीं जानते। बाप भी है आत्मा ;परंतु सुप्रीम है। गाया भी जाता है चमकता है अजब सितारा। आत्मा बहुत सूक्ष्म है ना। उनको इन आंखों से नहीं देख सकते। आत्मा में ही सभी नालेज है। तुम किसी को भी सुनावेंगे तो कहेंगे यह तो बरोबर परमात्मा सुप्रीम सोल है। ऐसे नहीं कि इतना बड़ा (ज्योतिर्लिंगम) है। यह तो भक्ति के लिए इतना बड़ा बनाया है। बिंदी की तो पूजा हो नहीं सकती। पूजा तो रावणराज्य में है ना। गिरे हुए ठहरे ना। बाप कहते हैं मैं बिंदी हूं। मेरी पूजा तुम कर नहीं सकते। क्यों करेंगे?दरकार ही नहीं। मैं तुम आत्माओं को पढ़ाने आता हूं। तुमको ही राजाई देता हूं। फिर रावणराज्य में चले जाते हो तो मुझे भूल जाते हो। पहले2 आत्मा आती है पार्ट बजाने। मनुष्य कहते हैं 84लाख जन्म लेते हैं ;परंतु बाप कहते हैं मैक्सीमम हैं ही 84जन्म। (मिनीमम)एक जन्म। ऐसे2 जब बातें तुमसे सुनेंगे तो कहेंगे यह तो वंडर है ना। माथुर जब विदेश में जाय यह बातें सुनावेंगे तो इनको कहेंगे यह नालेज तो हमको यहां बैठ सुनाओ। तुमको वहां 1800पे मिलती है। हम आपको 10/20हजार देंगे। हमको यह नालेज सुनाओ। गॉड फादर हम आत्माओं को पढ़ाते हैं। आत्मा ही जज बैरिस्टर आदि बनती है। बाकी मनुष्य तो सब हैं देहाभिमानी। कोई को भी ज्ञान नहीं हैं। भल बड़े2 फिलासफर्स बहुत हैं पर यह नालेज किसको भी नहीं है। गॉड फादर निराकार पढ़ाने आते हैं। हम उनसे पढ़ते हैं। यह बातें सुनकर चकित हो जावेंगे। यह बातें तो कब सुनी–पढ़ी नहीं। सन्यासी लोग तो सिर्फ जाय कहते हैं भारत का प्राचीन योग सीखो। जानते कुछ भी नहीं। तुम कहेंगे शास्त्र आदि सब बर्थ नॉट अपेनी हैं। एक बाप को ही कहते हैं लिबरेटर ,गाइड। जबकि वह ही लिबरेटर है तो फिर क्राइस्ट को क्यों याद करते हो?यह बातें तुम अच्छी रीत समझाओ तो वह चकित हो जावेंगे। कहेंगे यह हमने सुनी तो सही। पैराडाइज की स्थापना हो रही है। इसके लिए यह महाभारत लड़ाई भी है। बाप कहते हैं मैं तुमको राजाओ का राजा डबल सिरताज बनाता हूं। प्योरिटी,पीस,प्रास्पर्टी सब थी ना। विचार करो कितने वर्ष हुए?क्राइस्ट से 3000वर्ष पहले इन्हों का राज्य था। कहेंगे यह तो बरोबर स्प्रिचुअल नालेज है। यह तो डायरैक्ट उस सुप्रीम फादर का बच्चा है। उनसे राजयोग सीख रहा है। वर्ल्ड की हिस्ट्री–जॉग्राफी कैसे रिपीट होती है। यह सारी नालेज है। हमारी आत्मा में 84जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। इस योगबल की ताकत से आत्मा सतोप्रधान बन गोल्डेन एज में चली जावेगी। फिर उनके लिए राज्य चाहिए। सो सामने खड़ा

है। पुरानी दुनियां का विनाश भी चाहिए। सो सामने खड़ा है। फिर से धर्म का राज्य होगा। यह पापात्माओं की दुनियां है ना। अभी तुम पावन बन रहे हो। बोलो, हम इस याद के बल से प्योर बनते हैं। और सभी का विनाश हो जावेंगे। नैचुरल कैलेमिटीज भी आनी है। हमारा रियलाइज किया हुआ है और दिव्य दृष्टि से देखा हुआ है। यह सब खलास होना है। बाप आये हैं डीटी वर्ल्ड स्थापन करने। अभी जो सेंसिबुल बच्चे हैं वह समझते हैं सन्यासी लोग जाकर क्या सिखाते हैं। कितना एडल्टेशन करप्शन है। वह तो योग जाकर सिखाते हैं ब्रह्म से। कितनी पैसे उन्हों को मिलती है। तुम बोलो पैसे हम क्या करेंगे?विनाश तो सामने खड़ा है। कहेंगे वो हो (ओहो) यह तो गॉड फादर के चिल्ड्रेंस हैं। तुम बच्चे यह जानते हो लड़ाई तो लगेगी। नेचुरल कैलेमिटीज होगी ,क्या हाल होगा। यह बड़े2 मकान आदि सब गिरने लग पड़ेंगे। तुम जानते हो यह बाम्ब्स आदि 5000वर्ष पहले भी बनाई थी अपने ही विनाश के लिए। अभी भी बॉम्ब्स तैयार हैं। इनसे ही विनाश होना है। कहेंगे यह तो बड़ी अथॉर्टी है। तो नाम बाला करेंगे ना। यह है (ज्ञान) की बॉम्ब्स। योगबल क्या चीज है जिससे तुम विश्व पर जीत पाते हो। और कोई थोड़े ही जानते। बोलो साइंस तुम्हारा ही विनाश करते हैं। हमारा बाप के साथ योग है तो इस सायलेंस के बल से हम विश्व पर जीत पहन सतोप्रधान बन जाते हैं। बाप ही पतित–पावन हैं। पावन दुनियां जरूर स्थापन कर ही छोड़ेंगे। ड्रामा अनुसार नूंध है। बाम्ब्स जो बनाई है,रख देंगे क्या? ऐसे2 समझावेंगे तो समझेंगे यह तो कोई अथॉर्टी है। इनमें तो गॉड ने आय प्रवेश किया है। यह भी ड्रामा में नूंध है। कब2 बच्चों में भी बाप आय प्रवेश करते हैं। तो ऐसी2 बातें बताते रहेंगे तो वह खुश होंगे। आत्मा में कैसे पार्ट है। यह भी अनादि बना बनाया ड्रामा है। तुम्हारा क्राइस्ट भी पूर्वजन्म लेते2 अभी वह तमोप्रधान अवस्था में है। फिर अपने समय पर क्राइस्ट बनकर आय तुम्हारा धर्म स्थापन करेंगे। ऐसी अथार्टी से बोलेंगे तो वह समझेंगे। बाप सब बच्चों को बैठ समझाते हैं। इस पढ़ाई में बच्चों को लग जाना चाहिए। बाप,टीचर,गुरू तीनों एक ही हैं। वह कैसे नालेज देते हैं वह तुम समझते हो। सबको पवित्र बनाय ले जाते हैं। डीटी डिनायस्टी थी ,तो प्योर थी। गॉड–गॉडेज थे। बात करने का बड़ा होशियार हो। स्पीड भी अच्छी हो। बोलो बाकी सब आत्माएं स्वीटहोम में रहती हैं। बाप ही ले जाते हैं। सर्व का सदगति दाता वह बाप है। उनका बर्थप्लेस है भारत। यह कितना बड़ा तीर्थ हो गया ;परंतु गीता में नाम बदलने से बिल्कुल ही नीचे उतर आये हैं। तमोप्रधान बनना ही है। पुनर्जन्म सबको लेना ही है। वापस कोई भी जाय नहीं सकते। एडम ही 84जन्म लेते हैं तो जरूर क्राइस्ट भी पुनर्जन्म लेते2 जाकर वह बनेंगे। ऐसी2 बातें समझाने से बहुत वंडर खावेंगे। बाबा तो कहते हैं जोड़ी (ही) बहुत अच्छा समझाय सकते हैं। भारत में पहले प्योरिटी थी। कैसे होती है यह भी बताय सकते हो। पूज्य से पुजारी बन जाते हैं। इम्योर बनने से अपने ही पूजा करने लग पड़ते हैं। राजाओं के घर में भी इन देवताओं के चित्र रहते हैं। जो पवित्र डबल सिरताज थे उन्हों को बिगर ताज वाले अपवित्र पूजते हैं। वह हो गए पुजारी राजाएं। उनको तो गॉड गॉडेज नहीं कहेंगे ;क्योंकि वह इन देवताओं की पूजा करते हैं। आपे ही पूज्य..... पुजारी फिर पतित बन जाते हैं। शैतानी राज्य शुरू हो जाता है। ऐसे2 बैठ समझावे तो कितना मजा कर दिखावे। गाड़ी के दोनों फीते हों वंडर कर दिखावे। हम युगल ही फिर सो पूज्य बनेंगे। हम प्योरिटी,पीस,प्रासपर्टी का वर्सा ले रहे हैं। तुम्हारे चित्र तो निकलते ही रहते हैं। बाबा तो जल्दी2 कराते रहते हैं ;परंतु बनाने वाले भी चाहिए ना। हर बात में टाइम लगता है। यह है ईश्वरीय परिवार। बाप के बच्चे हैं ,पोत्रे और पोत्रियां हैं ,बस। और कोई सम्बंध नहीं। नई सृष्टि इनको कही जाती है। फिर देवी देवताएं तो थोड़े होंगे। फिर धीरे2 वृद्धि होती है। यह नालेज कितनी समझने की है। यह बाबा भी धंधे आदि में था। जैसे नवाब था। कोई बात की परवाह नहीं रहती थी। ऐसी कोई की ताकत नहीं जो जवाहर का व्यापार कर दिखावे। जब देखा तो यह पढ़ाते हैं। विनाश सामने खड़ा है तो फट से छोड़ दिया। यह जरूर समझा हम बादशाह बनते हैं। फिर यह गधाई क्या करेंगे?तो तुम भी समझते हो भगवान पढ़ाते हैं तो पूरी रीति पढ़ना चाहिए। उनके मत पर चलना चाहिए। बाप कहते हैं अपन को आत्मा समझ बाप को याद करो। ओम।